Impact Factor (SJIF): 6.126 E-ISSN: 2583-1615, P-ISSN: 3049-3498

International Journal of Research in Academic World

Received: 22/August/2025 **IJRAW:** 2025; 4(10):220-222 **Accepted:** 04/October/2025

वर्तमान शिक्षा प्रणाली में व्यावसायिक शिक्षा की उपयोगिता

[*1]डॉ. देश दीपक वर्मा

[*1]सहायक आचार्य, शिक्षक शिक्षा विभाग, शक्ति स्मारक संस्थान दुल्हिनपुर, बलरामपुर, उत्तर प्रदेश, भारत।

सारांश

ज्ञान और कौशल के हस्तांतरण के माध्यम से प्रौद्योगिकी प्रसार में टीवीईटी (तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण) की महत्वपूर्ण भूमिका है। तीव्र तकनीकी प्रगति का टीवीईटी (तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण) पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ा है और आगे भी पड़ता रहेगा। उत्तरदायी टीवीईटी (तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण) प्रणालियों और, अधिक व्यापक रूप से, प्रभावी कौशल नीतियों को डिज़ाइन करने के लिए परिवर्तनों को समझना और उनका पूर्वानुमान लगाना अत्यंत महत्वपूर्ण हो गया है। सूचना प्रौद्योगिकी और हरित अर्थव्यवस्था जैसे क्षेत्रों में तेज़ी से, और कुछ मामलों में मौलिक रूप से, बदलती ज़रूरतों के अनुसार कौशल की आपूर्ति को अनुकूलित करने का लचीलापन टीवीईटी (तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण) प्रणालियों की एक केंद्रीय विशेषता बन गया है। वैश्विक स्तर पर, नौकरी में प्रवेश के लिए आवश्यक कौशल आवश्यकताएँ और योग्यताएँ बढ़ रही हैं। यह न केवल अधिक ज्ञानवान और कुशल कार्यबल की आवश्यकता को दर्शाता है, बल्कि एक ऐसे कार्यबल की भी आवश्यकता को दर्शाता है जो निरंतर सीखने के चक्र में नई उभरती तकनीकों के साथ शीघ्रता से अनुकूलन कर सके।

मुख्य शब्द: वित्तीय स्थिरता, इंटर्नशिप, उद्यमशीलता, स्वरोजगार, कार्यबल, व्यावसायिक शिक्षा आदि।

प्रस्तावना

व्यावसायिक पाठ्यक्रमों का महत्व और रोजगार पर उनका प्रभाव बहुत अधिक है। ये पाठ्यक्रम व्यक्तियों को विशिष्ट कौशल और ज्ञान प्रदान करते हैं, जिससे उन्हें नौकरी के बाजार में बेहतर अवसर मिलते हैं और उनकी रोजगार क्षमता में वृद्धि होती है। व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम व्यक्तिगत सशक्तिकरण के लिए उत्प्रेरक के रूप में कार्य करते हैं, तथा व्यक्तियों को उनके चुने हुए क्षेत्रों में उन्नति के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान से सुसज्जित करते हैं। उच्च मांग वाले क्षेत्रों में विशिष्ट कौशल से न केवल पर्याप्त आय और वित्तीय स्थिरता प्राप्त होती है, बल्कि आत्मविश्वास और आत्म-सम्मान भी बढ़ता है, जिससे व्यक्ति अपने काम में संतुष्टि और अर्थ प्राप्त कर सकते हैं, तथा पेशेवर और व्यक्तिगत जीवन में सामंजस्यपूर्ण संतुलन बना सकते हैं। जब व्यक्ति उन क्षेत्रों में विशिष्ट कौशल हासिल करते हैं जहाँ उनकी अच्छी माँग है, तो वे अच्छी तनख्वाह वाली नौकरियाँ पा सकते हैं और अपने और अपने परिवार के लिए एक स्थिर आय अर्जित कर सकते हैं। वित्तीय स्थिरता का अर्थ है अपने जीवन पर अधिक नियंत्रण और अपने भविष्य के लिए बेहतर विकल्प। व्यावसायिक प्रशिक्षण आत्मविश्वास और आत्म-सम्मान को भी बढ़ाता है। जैसे-जैसे कोई व्यक्ति अपने चुने हुए क्षेत्र में पेशेवर बनता है, उसे खुद पर विश्वास होने लगता है। यह आत्मविश्वास सिर्फ़ काम में ही नहीं, बल्कि उनके हर काम में झलकता है।

माध्यमिक शिक्षा का व्यावसायीकरण: माध्यमिक स्तर पर माध्यमिक शिक्षा के व्यावसायीकरण की केन्द्र प्रायोजित योजना 1988 से कार्यान्वित की जा रही है। एक संशोधित योजना 1992-93 से कार्यरत है। यह योजना राज्यों को प्रशासनिक संरचना स्थापित करने, क्षेत्र व्यावसायिक सर्वेक्षण, पाठ्यक्रम तैयार करने, पाठ्यपुस्तक, कार्यपुस्तिका पाठ्यक्रम मार्गदर्शिकाएँ, प्रशिक्षण मैनुअल, शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम, अनुसंधान और विकास, प्रशिक्षण और मूल्यांकन आदि के लिए तकनीकी सहायता प्रणाली को सुदृढ़ करने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करती है। यह गैर सरकारी संगठनों और स्वैच्छिक संगठनों को अल्पकालिक पाठ्यक्रम संचालित करने हेतु विशिष्ट नवीन परियोजनाओं के कार्यान्वयन हेतु वित्तीय सहायता भी प्रदान करती है। इस योजना के अंतर्गत उच्चतर माध्यमिक स्तर पर 2 वर्ष की अवधि के साथ सामान्य स्कूलों में व्यावसायिक पाठ्यक्रम प्रदान किए जाते हैं।

संबंधित साहित्य की समीक्षा

कई अध्ययनों ने छात्रों की रुचि, व्यावसायिक प्राथमिकताओं और शैक्षणिक सफलता के बीच संबंधों पर प्रकाश डाला है। सिंह (2007) ने औसत से अधिक रुचि वाले ग्रामीण छात्रों के बीच व्यावसायिक प्राथमिकताओं में महत्वपूर्ण अंतर पाया। कैलाश (2012) ने देखा कि कम उपलब्धि वाले सरकारी स्कूलों के छात्रों ने निजी स्कूलों के छात्रों की तुलना में कुछ व्यावसायिक क्षेत्रों में अधिक रुचि दिखाई, जिनमें प्रशासनिक क्षेत्र सबसे अधिक पसंद किए गए।

***Corresponding Author:** डॉ. देश दीपक वर्मा

हालाँकि, नारायण (2014) ने शहरी और ग्रामीण छात्रों के बीच व्यावसायिक रुचियों में कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं पाया।

समस्या का औचित्य –

इस शोध पत्र का उद्देश्य छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धियों पर व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के प्रभाव और छात्रों की आर्थिक और सामाजिक विशेषताओं के साथ इसके संबंध का अध्ययन करना है ताकि कुछ मार्गदर्शक नीतियां विकसित की जा सकें और उनका उचित उपयोग प्राप्त किया जा सके।

व्यावसायिक शिक्षा: व्यावसायिक शिक्षा वह शिक्षा है जो लोगों को एक कुशल शिल्प के लिए तैयार करती है । व्यावसायिक शिक्षा को उस प्रकार की शिक्षा के रूप में भी देखा जा सकता है जो किसी व्यक्ति को आवश्यक कौशल के साथ लाभकारी रोजगार या स्वरोजगार के लिए तैयार करती है। भारत में व्यावसायिक शिक्षा की वर्तमान स्थिति: अर्थव्यवस्था के प्राथमिक, माध्यमिक और तृतीयक क्षेत्र के व्यापक क्षेत्रों में 9583 स्कूल दो वर्षीय अवधि के 150 व्यावसायिक पाठ्यक्रम प्रदान कर रहे हैं। इस योजना ने अब तक 9619 स्कूलों में 21000 अनुभागों का एक विशाल बुनियादी ढाँचा तैयार किया है, जिससे +2 स्तर पर लगभग 10 लाख छात्रों को शिक्षा प्राप्त करने में मदद मिली है। इसके अतिरिक्त, राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान भी 80 पाठ्यक्रमों में व्यावसायिक शिक्षा प्रदान करता है। इन पाठ्यक्रमों में कुल नामांकन लगभग 6,00,000 है।

व्यावसायिक शिक्षा उच्चतर माध्यमिक, आगे की शिक्षा या उच्चतर शिक्षा स्तर पर हो सकती है और शिक्षुता प्रणाली के साथ अंतःक्रिया कर सकती है । उच्चतर माध्यमिक स्तर पर, व्यावसायिक शिक्षा अक्सर अत्यधिक विशिष्ट ट्रेड स्कूलों, तकनीकी स्कूलों, सामुदायिक कॉलेजों, आगे की शिक्षा महाविद्यालयों(यूके), व्यावसायिक विश्वविद्यालयों और प्रौद्योगिकी संस्थानों (जिन्हें पहले पॉलिटेक्निक संस्थान कहा जाता था) द्वारा प्रदान की जाती है।दुनिया भर में टीवीईटी (तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण) और कौशल विकास के कार्यान्वयन में रुझान उभरे हैं । 1980 के दशक के उत्तरार्ध से, कई सरकारों ने शिक्षार्थियों को कार्य जगत के लिए प्रभावी रूप से तैयार करने में शिक्षा की भूमिका पर ज़ोर देना शुरू किया। "नव व्यावसायिकता" नामक इस विचारधारा ने सार्वजनिक शिक्षा के उद्देश्य पर चर्चा के केंद्र में उद्योग की कौशल आवश्यकताओं को रखा। टीवीईटी (तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण) और कौशल विकास को सामान्य रूप से आर्थिक विकास को बढ़ावा देने और विशेष रूप से युवा बेरोजगारी की समस्या से निपटने में एक महत्वपूर्ण घटक के रूप में देखा गया ।

ऐतिहासिक अवलोकन: ऐतिहासिक रूप से, लगभग सभी व्यावसायिक शिक्षा कक्षा में या कार्यस्थल पर ही दी जाती थी, जहाँ छात्र मान्यता प्राप्त प्रशिक्षकों या स्थापित पेशेवरों से व्यापार कौशल और व्यापार सिद्धांत सीखते थे। हालाँकि, हाल के वर्षों में, ऑनलाइन व्यावसायिक शिक्षा की लोकप्रियता बढ़ी है, जिससे छात्रों के लिए, यहाँ तक कि उन छात्रों के लिए भी जो पारंपरिक व्यावसायिक स्कूल से बहुत दूर रहते हैं, स्थापित पेशेवरों से विभिन्न व्यापार कौशल और सॉफ्ट स्किल्स सीखना पहले से कहीं अधिक आसान हो गया है।

उद्देश्य

व्यावसायिक शिक्षा का उद्देश्य केवल आजीविका कमाने के लिए छात्र को तैयार करने से बदलकर, उसकी पहचान बनाने और ज्ञान एवं कौशल प्राप्त करने के लिए एक अधिक समावेशी दृष्टिकोण अपनाना होगा। स्कूलों में व्यावसायिक शिक्षा का एकीकरण सबसे ज़रूरी है और इसे वास्तविक समय में निहित होना चाहिए और यह समझना चाहिए कि भविष्य में काम का विकास और पोषण कैसे होगा। इससे अंततः ऐसे नागरिक तैयार करने में मदद मिलेगी जो समाज में सहयोग करने और उत्पादक रूप से योगदान देने की सोच रखते हैं। सामान्य शिक्षा प्रणालियाँ उन कौशलों को विकसित करने में प्रभावी नहीं रही हैं जिनकी कई किशोरों और वयस्कों को उद्योग में रोज़गार प्राप्त करने के लिए आवश्यकता थी। 1980 के दशक के अंत और 1990 के दशक के प्रारंभ में नए व्यावसायिक पाठ्यक्रमों और पाठ्यक्रमों की शुरुआत और विस्तार हुआ, जिन्हें अक्सर उद्योग के सहयोग से विकसित किया गया | व्यावसायिक शिक्षा, करियर की तैयारी के लिए एक व्यावहारिक दृष्टिकोण के रूप में कार्य करती है, जो व्यक्तियों को सुव्यवस्थित तरीके से नौकरी-विशिष्ट कौशल प्रदान करती है।

टीवीईटी (तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण) कई उद्देश्यों की पूर्ति करता है। एक उद्देश्य युवाओं को काम के लिए तैयार करना है। यह कार्य-संबंधी कौशल सीखने और विकसित करने तथा अंतर्निहित ज्ञान और वैज्ञानिक सिद्धांतों में निपुणता प्राप्त करने के माध्यम से किया जाता है। काम की परिभाषा व्यापक है और इसलिए यह औपचारिक रोजगार और स्व-रोजगार दोनों को संदर्भित करता है। स्व-रोजगार को बढ़ावा देने के लिए, टीवीईटी (तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण) पाठ्यक्रम में अक्सर उद्यमिता प्रशिक्षण शामिल होता है। इससे संबंधित है व्यावसायिक और व्यावसायिक प्रथाओं का सामाजिक पुनरुत्पादन और परिवर्तन।

बाधाएं और चुनौतियां: एक संबंधित भूमिका व्यावसायिक विकास जारी रखना है। तेजी से हो रहे तकनीकी बदलावों की मांग है कि श्रमिक लगातार अपने ज्ञान और कौशल को अपडेट करते रहें। अतीत के विपरीत जहां नौकरी जीवन भर के लिए की जा सकती थी, कई बार व्यवसाय बदलना आम बात है। टीवीईटी (तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण) दो तरीकों से उस लचीलेपन को सक्षम बनाता है। एक व्यापक आधारित तकनीकी ज्ञान और ट्रांसवर्सल कौशल प्रदान करना है जिस पर विभिन्न व्यवसाय आधारित हो सकते हैं। दूसरा श्रमिकों को निरंतर व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान करना है। पुरानी अर्थव्यवस्था के औद्योगिक प्रतिमान के विपरीत, आज की वैश्विक अर्थव्यवस्था श्रमिक पर खुद को लगातार नया रूप देने की जिम्मेदारी डालती है।

व्यावसायिक प्रशिक्षण की प्रकृति: व्यावसायिक प्रशिक्षण सामान्य प्रकृति के होने चाहिए और, इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि मन और चरित्र का एक निश्चित विकास होना चाहिए जिसके बिना कोई भी नहीं रह सकता। लोग स्पष्ट रूप से अच्छे शिल्पकार, व्यापारी, सैनिक या व्यवसायी नहीं हो सकते हैं, जब तक कि उनके व्यवसाय की परवाह किए बिना, वे अच्छे, ईमानदार और - अपनी स्थिति के अनुसार - अच्छी तरह से सूचित इंसान और नागरिक न हों। यदि यह आधार स्कूली शिक्षा के माध्यम से रखा जाता है, तो बाद में व्यावसायिक कौशल आसानी से हासिल किए जा सकते हैं, और एक व्यक्ति हमेशा एक व्यवसाय से दूसरे व्यवसाय में जाने के लिए स्वतंत्र होता है, जैसा कि जीवन में अक्सर होता है।"

नीति-निर्माताओं ने अन्य शिक्षा प्रणालियों के साथ संकरण के रूपों को पेश किया है, इसके अतिरिक्त टीवीईटी (तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण) और 'शैक्षणिक' शिक्षा धाराओं के बीच कुछ अंतर धुंधले हो गए हैं। इस संकरण को 'माध्यमिक शिक्षा का व्यावसायीकरण' कहा गया है, इसी तरह की प्रक्रिया कुछ हद तक तृतीयक शिक्षा में भी हुई है।

तकनीकी उन्नति और उसका व्यावसायिक शिक्षा पर प्रभाव

किसी भी देश के विकास के लिए एक ज्ञानवान और कुशल कार्यबल को सबसे महत्वपूर्ण मानव पूंजी माना जाता है। व्यावसायिक शिक्षा

और कौशल विकास, दोनों ही व्यक्तियों की उत्पादकता, नियोक्ताओं की लाभप्रदता और राष्ट्रीय विकास को बढ़ाने के लिए जाने जाते हैं। व्यावसायिक शिक्षा का उद्देश्य मुख्यतः असंगठित क्षेत्र की आवश्यकताओं को पूरा करने हेतु विविध पाठ्यक्रमों के माध्यम से कुशल जनशक्ति का विकास करना और बच्चों में स्व-रोज़गार कौशल विकसित करना है। चूँकि अर्थव्यवस्था के औपचारिक क्षेत्र में केवल 7 से 10 प्रतिशत जनसंख्या कार्यरत है |

सामाजिक समता एवं व्यावसायिक पाठ्यक्रम

हाल के वर्षों में, टीवीईटी (तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण) कार्यक्रमों में, विशेष रूप से सेवा क्षेत्र के विषयों में, युवा महिलाओं के नामांकन की संख्या में वृद्धि देखी गई है। कई बार चुनौती यह होती है कि महिला-प्रधान क्षेत्रों में अधिक पुरुषों को लाया जाए। हालाँकि, संख्याओं के खेल से परे, वास्तविक लैंगिक समानता की कसौटी, जिसे टीवीईटी (तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण) प्रणालियाँ अभी तक पास नहीं कर पाई हैं, वह है उन कार्यक्रमों में लैंगिक भागीदारी को संतुलित करना जो रोज़गार के साथ-साथ अच्छी और उच्च वेतन वाली नौकरियाँ भी प्रदान करते हैं। सीखने के अवसरों और आय में लैंगिक असमानताएँ चिंता का विषय हैं।

उपसंहार

सामाजिक समता के दृष्टिकोण से, रोज़गार का अभाव, काम की खराब गुणवत्ता, कार्यस्थल पर आवाज़ उठाने की कमी, निरंतर लैंगिक भेदभाव और अस्वीकार्य रूप से उच्च युवा बेरोज़गारी, ये सभी टीवीईटी (तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण) प्रणाली सुधारों के प्रमुख चालक हैं। यह एक ऐसा क्षेत्र है जहाँ टीवीईटी (तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण) प्रणालियों को अधिक समतापूर्ण समाजों के निर्माण में सक्रिय योगदान देने के लिए लगातार चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।

संदर्भ ग्रंथ-सूची

1. सिल्बरमैन, एच.एफ. "हाई स्कूल व्यावसायिक शिक्षा की स्थिति में सुधार।" एजुकेशनल होराइज़न्स 65, संख्या 1 (शरद ऋतु 2013):5–9।
2. टटल, एफ़टी "आइए छवि निर्माण के बारे में गंभीर हो जाएँ।" व्यावसायिक शिक्षा जर्नल 62, अंक 8 (नवंबर-दिसंबर 2014): 11.
3. "लोग हमारे बारे में क्या सोचते हैं?" तकनीकें 72, संख्या 6 (सितंबर 2015):14-15.
4. एशियाई फिल्म और टेलीविजन अकादमी, न्यूयॉर्क: हार्पर कॉलिन्स पब्लिशर्स, 2015।
5. ब्रॉडहेड, सीडब्ल्यू "इमेज 2016: व्यावसायिक शिक्षा के लिए एक दृष्टिकोण।" व्यावसायिक शिक्षा जर्नल 66, अंक 14 (जनवरी 2016):22–25.
6. बज़ेल, सी.एच. "हमारी छवि हमारे गौरव को प्रतिबिंबित करे।" व्यावसायिक शिक्षा जर्नल 62-8 (2017)
7. डगलस, पॉल एच. अमेरिकी शिक्षुता और औद्योगिक शिक्षा (2018), प्रमुख अर्थशास्त्री द्वारा व्यापक अवलोकन।
8. जय कृष्ण देव. टॉइल एंड ट्रबल: गुड वर्क, स्मार्ट वर्कर्स, एंड द इंटीग्रेशन ऑफ एकेडमिक एंड वोकेशनल एजुकेशन. न्यूयॉर्क: पीटर लैंग पब्लिशिंग. (2019)
9. किन्चेलो, जो एल. हम श्रमिकों को कैसे बताएँ? कार्य और व्यावसायिक शिक्षा के सामाजिक-आर्थिक आधार। बोल्डर, कोलोराडो: वेस्टव्यू प्रेस। (2020)
10. लॉग्लो, जॉन; मैकलीन, रूपर्ट (सं.) "माध्यमिक शिक्षा के व्यावसायीकरण पर पुनर्विचार"। श्रृंखला: तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण: मुद्दे, चिंताएँ और संभावनाएँ, खंड 1, स्प्रिंगर (2021)
11. ओ'कॉनर, पी.जे., और ट्रसेल, एस.टी. "व्यावसायिक शिक्षा का विपणन।" व्यावसायिक शिक्षा जर्नल 62, अंक 8 (नवंबर-दिसंबर 2022):31-32।
12. शील्ड्स, सीजे "व्यावसायिक शिक्षा का विपणन कैसे करें।" पाठ्यक्रम समीक्षा (नवंबर 2023):3-5
13. रीव्स, डायने लिंडसे कैरियर अकादमी टूलकिट. रैले, नॉर्थ कैरोलिना: ब्राइट फ्यूचर्स प्रेस, 2024.
14. रीज़, ई. "'वी' या 'वी' नहीं: कई लोगों के लिए 'वोकेशनल' शब्द काम नहीं करता।" टेक्निक्स 72, अंक 8 (2025):32-36।